जन्म कुण्डली

Subash

Software by: Supersoft, Kesavdasapuram, Trivandrum-4, Kerela,India. Tele:2540521(O.),2532084(R.). www.supersoftweb.com
Licenced to : Supersoft, Kesavadasapuram, Trivandrum

नाम, लिंग :	Subash, Male
जन्म तिथि दिवस, दिन :	21/03/2006, **मंगलवार**
जन्मसमय :	**12:20:58 PM, Indian Time , GMT+5:30**
जन्मस्थान :	**ALLEPPEY, KERALAM**
अक्षांश :	09:30 N
रेखांश :	76:23 E
सूर्योदय :	06:31:48AM
सूर्यास्त :	06:31:56PM
भारतीय ज्योतिष दिन :	उत्तरायन काल, शिशिर ऋतु, 1181 मीनम 7, मंगलवार सूर्योदय., 14 नाटिका, 32 विनाटिका, कलि दिन 1865350.
तिथि :	षष्टि, कृष्णपक्ष
करण :	गाय
नक्षत्र :	ज्येष्ठा, 1-पद
नक्षत्रगण, देवता, वृक्ष(पेड) :	आसुर, इन्द्र, खसारवस
नक्षत्रयोनि, भूत, मृग, पक्षि, :	पुरुष, वायु, ,मुर्गि
लग्नराशि :	मिथुन
चन्द्रराशि :	वृचिक
नित्ययोग :	सिद्धयोग
अयनांश :	023:56:35 (N.C.Lahiri)
नक्षत्रहोरा :	023:51:05
गर्भशिष्टदश :	बुध 15 वर्ष 4 मास 29 दिन

राशी

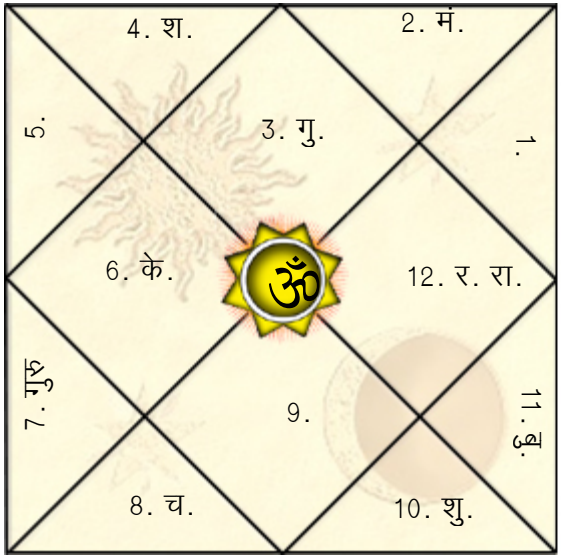

नवांश

ल.उलग्न र.उरवि बु.उबुध शु.उशुक्र मं.उमंगल गुरुउगुरु श.उशनि च.उचन्द्र रा.उराहु के.उकेतु गु.उगुळिक

Software by: Supersoft, Kesavdasapuram, Trivandrum-4, Kerela,India. Tele:2540521(O.),2532084(R.). www.supersoftweb.com
Licenced to : Supersoft, Kesavadasapuram, Trivandrum

ग्रहस्पुट

ग्रह	राशि	टि.: मि.: से.	नक्षत्र	पाद	गति	1.निरयनस्पुट	2.सायनस्पुटं
लग्न	मिथुन	07:49:45	आर्दा	1	ओर	067:49:45	091:46:21
रवि	मीनम	06:34:55	उत्तरभद्रा	1	ओर	336:34:55	000:31:31
चन्द्र	वृचिक	17:54:33	ज्येष्ठा	1	ओर	227:54:33	251:51:09
मंगल	वृषभ	22:35:58	रोहिणि	4	ओर	052:35:58	076:32:34
बुध	कुंभ	20:11:40	पूर्वभद्रा	1	वक्र	320:11:40	344:08:16
गुरु	तुला	24:30:26	विशाखा	2	वक्र	204:30:26	228:27:02
शुक्र	मकर	20:07:21	श्रावण	4	ओर	290:07:21	314:03:57
शनि	कर्क	10:38:41	पुष्य	3	वक्र	100:38:41	124:35:17
राहु	मीनम	10:50:58	उत्तरभद्रा	3	वक्र	340:50:58	004:47:34
केतु	कन्या	10:50:58	हस्त	1	वक्र	160:50:58	184:47:34
गुळिक	मिथुन	26:46:39	पुनर्वसु	3	ओर	086:46:39	110:43:15
युरानस	कुंभ	18:01:12	शतभिषक	4	ओर	318:01:12	341:57:48
नॅप्ट्यूण	मकर	24:49:35	धनिष्ठा	1	ओर	294:49:35	318:46:11
प्लूट्टो	धनु	00:23:32	मूल	1	ओर	240:23:32	264:20:08

1. भारतीय ज्योतिष के अनुसार 2.पाश्चात्य ज्योतिष के अनुसार

भावस्पुट

भाव	उदय	मध्य	अस्त
	टि. : मि.: से.	टि. : मि.:से.	टि. : मि.: से.
1	052:07:45	067:49:45	082:07:45
2	082:07:45	096:25:45	110:43:45
3	110:43:45	125:01:46	139:19:46
4	139:19:46	153:37:46	169:19:46
5	169:19:46	185:01:46	200:43:45
6	200:43:45	216:25:45	232:07:45
7	232:07:45	247:49:45	262:07:45
8	262:07:45	276:25:45	290:43:45
9	290:43:45	305:01:46	319:19:46
10	319:19:46	333:37:46	349:19:46
11	349:19:46	005:01:46	020:43:45
12	020:43:45	036:25:45	052:07:45

लग्न भाव

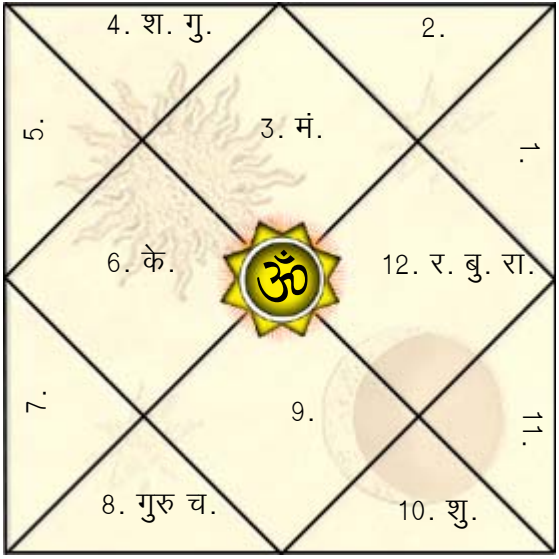

लग्न भाव

चन्द्र भाव

शुक्र भाव

भाव	1	2	4	7	8	12	मूल्य
लग्न से	मं.	श.	के.				3.00
चन्द्रात्				मं.			0.75
शुक्रात्				श.			0.50

1में कुज दोष, पाप मूल्य 4.25

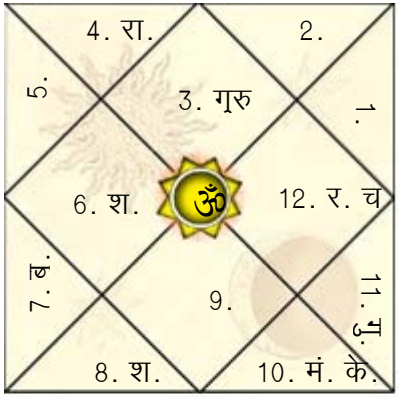

द्रेक्काण

सप्तांश

दशमांश

द्वादशांश

षोटशांश

सप्तवर्ग सारिणि

ग्रह	क्षेत्र.1	होर.2	द्रेक्का.3	सप्तां.7	नवमां.9	दशमां.10	द्वाद.12	षोट.16	त्रिंश.30
लग्न	बु. 3	र.	बु. 3	च. 4	गुरु 9	र. 5	बु. 6	मं. 1	श.
रवि	गुरु 12	च.	गुरु 12	शु. 7	र. 5	श. 10	शु. 2	गुरु 12	बु.
बुध	श. 11	च.	शु. 7	बु. 3	मं. 1	र. 5	शु. 7	बु. 3	बु.
शुक्र	श. 10	र.	बु. 6	मं. 8	च. 4	गुरु 12	बु. 6	श. 11	श.
मंगल	शु. 2	र.	श. 10	मं. 1	च. 4	र. 5	श. 11	र. 5	श.
गुरु	शु. 7	च.	बु. 3	गुरु 12	शु. 2	बु. 3	च. 4	शु. 2	बु.
शनि	च. 4	च.	मं. 8	गुरु 12	शु. 7	बु. 3	मं. 8	बु. 6	बु.
चन्द्र	मं. 8	र.	गुरु 12	बु. 6	गुरु 9	गुरु 9	बु. 3	शु. 2	गुरु
राहु	गुरु 12	च.	च. 4	मं. 8	शु. 7	श. 11	च. 4	शु. 2	बु.
केतु	बु. 6	च.	श. 10	शु. 2	मं. 1	र. 5	श. 10	शु. 2	बु.
गुळिक	बु. 3	च.	श. 11	गुरु 9	बु. 3	श. 11	मं. 1	श. 11	शु.

1.क्षेत्र, 2.होर, 3.द्रेक्काण 7.सप्तांश 9.नवमांश
10.दशमांश 12.द्वादशांश 16.षोटशांश 30.त्रिंशांशकं

अष्टवर्ग

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन.
रवि	5	3	5	3	5	3	3	4	4	5	3	5
चन्द्र	5	6	2	3	5	7	4	5	3	4	2	3
मंगल	4	3	4	4	5	2	1	3	4	3	2	4
बुध	5	4	4	4	6	4	2	5	3	6	6	5
गुरु	3	6	6	4	2	5	5	7	7	2	4	5
शुक्र	5	3	4	5	3	5	7	3	2	5	6	4
शनि	4	1	3	2	2	7	3	4	4	3	2	4
कुल	31	26	28	25	28	33	25	31	27	28	25	30

रवि 48

चन्द्र 49

मंगल 39

बुध 54

गुरु 56

शुक्र 52

शनि 39

कुल 337

Nearest Distance Between Planets

091:14:49	107:38:04	137:42:23	015:13:46	136:40:41	032:48:56	160:04:48	086:58:46	093:01:13	018:56:53	लग्न
110:11:43	126:34:58	156:39:17	034:10:40	117:43:47	013:52:02	141:07:54	105:55:40	074:04:19	गुळिक	
175:43:57	159:20:41	129:16:22	108:15:00	043:39:27	060:12:16	067:03:34	180:00:00	केतु		
004:16:02	020:39:18	050:43:37	071:44:59	136:20:32	119:47:43	112:56:25	राहु			
108:40:22	092:17:06	062:12:47	175:18:34	023:24:07	127:15:51	चन्द्र				
124:03:46	140:27:01	170:31:20	048:02:43	103:51:44	शनि					
132:04:29	115:41:13	085:36:55	151:54:27	गुरु						
076:01:02	092:24:18	122:28:37	मंगल							
046:27:34	030:04:18	शुक्र								
016:23:15	बुध									
रवि										

फलादेश

1). स्वभाव

आप प्रायोगिक तौर पर सजीव व्यक्ति ही नहीं बल्कि उतनी ही क्षमता रखनेवाला व्यक्ति भी हो। अधिक सभाई पसन्द करनेवाले व्यक्ति, क्रम, अनुशसन, योजकता इन सबका आदार करनेवाली व्यक्ति। ऎसी बाते आपमें विकसित रूप से होने पर भी, समय पर बहुत कुछ मौके नष्ट हो जाते है, यहृ एक सच्चाई है।

आप हैं एक संवेदनशील तथा उदारमतवादी व्यक्ति। बडी तकलिफों या मुशकिलों में फँसे हैं यह जानने पर कुछ व कुछ किये बिना आप वहाँ से नहीं जाते।

सोचविचार करके की मात्रा में आप स्वयं अपनी राय प्रकट करनेवाला व्यक्ति नहीं हो। सोचविचार करते समय अच्छी तरह युक्ति के अनुसार करते हैं। इससे आपके कीमती सलाह तथा उपदेश केलिए कई लोगों के भीड आपके पीछे होगी।

आपको सबसे बडा पराजय , वास्तव में आपकी विभिन्न सिद्धीयाँ है। उनके मार्ग से और हाथों से आपकी ऊर्जा प्रयोग में लायी जाती है। इससे थोडा कुछ प्रायोगिक क्षैत्रों में ही कार्यक्षमता को लागू किया जा सकता है। इस तरह का एक बदलाव से आप को बडा लाभ होगा, यह बात पक्की है।

2). जीवन विजय

किसी भी व्यक्ति के किसी भी वस्तुके ऊपरी आवरण को हटाकर अन्दर जाँचने की शक्ति आपमें होने से आप से कुछ भी छिपाकर रखना मुशकिल है, इस आन्तरिक दृष्टि की व्यक्तता के कारण आपको मुशकिलों को पार करने की, संन्तुष्टि प्राप्त करने की शक्ती मिलती है। किसी भी साहचर्यों को ग्रहण करने तथा किसी भी प्रश्नों को शीध्र निभाना आप से हो सकता है। कारण यह है कि किसी भी बात की ओर आगे बढकर सामना करने से हो समस्था हल होती है।

3). जीवन क्रम

धन कमाने का परीश्रम करने का आन्दरिक प्रेरणावाले व्यक्ति होने के नाते आप सोचते है कि बहुत सा धन तथा सुन्दर भौतिकी परिसर होने से दूसरों से समान प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन ऐसा विचार ठीक नहीं है। किम बातों से सच्चा आनंद मिलने की संभावना है यह झात होने पर उन दिशाओं में ही सक्रिय होना चाहिए।

4). जीवन चर्या, दैनिक आचरण

कार्यालय में राजनिति को दूर रखना ही आपको पसन्द है। औद्योगिक क्षेत्र में ईर्ष्यालू स्थान प्राप्त करने की जंग में लडने केलिए आप तैयार नहीं होंगे। अकेले काम करने का अवसर ढूँढना ही सबसे उचित होगा। इच्छति कार्य अपनी स्वयं की रैंती से अपनी पसंद से करना ही उचित होगा। कथाकार, चित्रकार तथा कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग करना कुछ भी बन सकते हो। स्वतंत्र रूपसे सक्रीय आपको विजय प्राप्त होती है।

5). काम

हमेशा की तरह सभी काम स्थिर, विवेकपूर्ण तथा आसान और आराम से करनेवाला ही आपको संतुष्ट करता है। विशेष रूप से आपके मध्य आयु में और उसके बाद । आपमें निर्णयक्षमता उच्चकोटीकी होंगी। करनेवाले किसी भी बात को आप अच्छी तरह ज्ञात कर लेंगे। जिम्मेदारियों को निभाने केलिए आपको शांतिपूर्वक सक्रीय होने की अनुमति देना चाहिए। कोई भी सताना आपको पसन्द नहीं। जल्दी में सब कुछ करना पडता है, यह सोचकर आप दुःखी भी हो जाते हो। अनुशासन और क्रम से काम करनेवाले स्वभाव के कारण उच्छ स्थान पर प्रतिष्ठा प्राप्तैं करने पर उस में विजयपूर्ण सक्रीय होंगे। शांत तथा क्रोधित स्वभाव के वयक्ति न होने पर आप से नियंत्रित नीचे काम करनेवाले सहकारियों की ईमानदार सेवा आपको प्राप्त होती है। आर्थिक कामों का नियंत्रण करने तथा धन इकट्ठा करने में भी विशेष सिद्धी होने से आप को बैंकिग, आर्थिक संस्था तथा शेयर बाजार आदि जगहों पर सक्रीय होना ठीक होगा। आपका स्वभाव सभी तरह के कार्यलयीत कामों के लिए उपयुक्त है।

6). तन्दुरुस्ति (स्वास्थ्य)

तन्दुरुस्तीवाले बात पर आपको कभी दुःखी होने की जरूरत नहीं। पूरी तरह से रोगविमुक्त शरिर तथा रूप होने तथा उसमें कोई कमी न होने पर भी आप को अच्छी तरह ध्यान रखना चीहिए। कारण यह है कि आपके फेफडे में बलक्षय होने की संभावना है। इसके अलावा सिरों, सिरदर्द तथा अधसीसी आपको होगा। आम जिन्दगी बिताना, खुले जगह पर शुद्ध वायु का सांस लेने की कोशिश करना चाहिए। भोजन, पानी आदि में मितव्यय रखना चाहिए।

7). प्रिय विनोद

घर के बाहर (औट डोर)परिश्रम करना,विशेष तौर पर आराम के समय वही आपको पसन्द तथा लाभदायक है। लेकिन सभी काम आवश्यकता से अधिक करनेवाले स्वभाव तन्त्दुरुस्ती केलिए हानिकारक होगा। बाहर की सैर करना पसन्द है। आपको घोडे की सवारी, मोटरकार चलाना, रेल में दूर यात्रा करना तथा पर्यटन यात्रा में जाना आदि बहुत पसन्द है। सदा पढना, सीखना, यात्रा करके पढने की कोशिश करना तथा पढने केलिए ही यात्रा करना यह सब आपको पसन्द तथा सदा ज्ञान से अधिक संतृप्ति प्राप्त होती है।

8). विवाह, जीवन साथी

आपके जैसे एक व्यक्ति केलिए आदर्श प्रेम , प्यार, दोस्ती आदि एक समस्या नहीं। आप उस पर विश्वास नहीं करते हो। लेकिन प्यार करते समय आप बहुत तीव्रता तथा न मिलकर रखनेवाले इच्छा के साथ प्यार करते है। एकबार मिलजुल जाये तो बाद में बहुत कम समयमें ही उस रिसते से अलग हो जाने की संभावना है। प्यार के संबन्ध में एक प्रतियोगी होने पर उसका बहुत क्रूर तरीके से आप सामना करेंगे।

9). आर्थिक स्थिति

आर्थिक कामों पर आपके भाग्यवियाता आप ही निर्णय करते हैं। पहले आपके सक्रीय होने की सफलता अनेक रास्तों में देखी जाएगी। आप ऊँचे स्थान खडे होने पर (आपकी क्षमता, लगभग ऐसे उच्च स्थान पर ही आपको

पहूँचाएगी) आप बहुत धन कमाने तथा ऊँचे पदवी को सजाते भी होंगे। लेकिन उससे आप संतुष्ट नहीं होगे आपकी क्षमता तथा उसे भी आगे का लक्ष्य को प्राप्त करने केलिए परिश्रम करेंगे। धर्म संबन्धित बातों में बहुत उदारता दिखाएंगे।

दशा और अपहार

दशाफलों में जन्म कुण्डलीवाले को संभ्व न होनेवाले फल जन्म कुण्डलीवाले के नजतीकि रिश्तेदारों में अधिक स्वाधीनता जताते हैं

दशाः बुध 21/03/2006 . . . . 20/08/2021

बुध दशा में बन्धुओं के आगमन, अपने आपको खुशी, विदवल प्रशंसा, यश तथा गुरु कृपा, वार्तालाप में निपुण दूसरों को सहायता करने में उत्सुक तथा पत्नी- पुत्रों को महत्व आदि फल।

21/03/2006 . . . . 17/01/2007 दशाः बुध अपहारः बुध

विद्वानों से मित्रता, बुद्धि को प्रकाश, साहित्यक काम, धन लाभ, यश, विवाह आदि जिम्मेदारियाँ यही फल।

18/01/2007 . . . . 14/01/2008 दशाः बुध अपहारः केतु

झगडा, मना व्याकुलता, भूमि नाश, द्रव्य नाश, व्यापार आदि फल।

15/01/2008 . . . . 14/11/2010 दशाः बुध अपहारः शुक्र

अच्छे काम, सभी काम में विजय, विवाह (अपने आपको या अपने जिम्मेदारी में दूसरों को) सज्जन संगमं, बन्धु रोग आदि फल।

15/11/2010 . . . . 20/09/2011 दशाः बुध अपहारः रवि

कई प्रकार के पुरस्कार मिलना, दावत में भाग लेना, गाडी से लाभ, धन लाभ आदि फल। काम से लाभ मिलने की प्रतीक्षा भी कर सकते है। इस समय पर कामवालों को बहुत उन्नति प्राप्त होने का अधिकार है।

21/09/2011 . . . . 20/02/2013 दशाः बुध अपहारः चन्द्र

कई प्रकार की शारीरिक हानियाँ, इस समय पर होते रहती हैं। नेत्र रोग भी होने की संभावना है।

21/02/2013 . . . . 17/02/2014 दशाः बुध अपहारः मंगल

नेत्र रोग, दुःख स्थान से हटना आदि दोष फल, सत्कर्मानुष्ठान, यश आदि गुण फल प्राप्त होगा।

18/02/2014 . . . . 05/09/2016 दशाः बुध अपहारः राहु

मानहानि, धन नष्ट, व्यापार में पराजय, विष तथा अग्नि पडना आदि दोष फल, विद्या गुण, धन लाभ आदि गुण

फल प्राप्त होगा।

06/09/2016 . . . . 11/12/2018 दशाः बुध अपहारः गुरु

रोगमुक्ति, शत्रु विजय, काम में विजय, पुत्र से सहायता, पुत्र हो तो उसका विवाह करना, धन लाभ आदि गुण फल।

12/12/2018 . . . . 20/08/2021 दशाः बुध अपहारः शनि

धन और धर्म को हानि, कफवात संबन्धित रोग, लिखने का काम आदि फल।

. . . . . .

दशाः केतु 21/08/2021 . . . . 20/08/2028

केतु दशा में शत्रुओं को लेकर चोरों को लेकर तथा राजा को लेकर भय और शत्रुओं से होनेवाले घाव तथा गर्मी की बीमारियाँ होने तथा गर्मी की बीमारीयाँ होने तथा बिना कारण के अपवादों का कारण बनना. कुल को दोष पडना अग्निभय का सामना करना और राज्य छोडकर चले जाने की संभावना भी है।

21/08/2021 . . . . 17/01/2022 दशाः केतु अपहारः केतु

सहचारी को कलेश, धन नाश, उत्साह में कमी, दूर देश में यात्रा आदि फल।

18/01/2022 . . . . 17/03/2023 दशाः केतु अपहारः शुक्र

स्वास्यय, शत्रु नाश, सज्जन संबन्ध, उनके प्रीति, धन लाभ, पुत्र लाभ, विवाह, ऐश्वर्य, विजय आदि गुण फल।

18/03/2023 . . . . 23/07/2023 दशाः केतु अपहारः रवि

शरीर हानि, दूर देश में रहना, रिश्तेदारों को हानि, पति - पत्नी में झगडा, पित्त रोग आदि कष्टप्रद फल।

24/07/2023 . . . . 23/02/2024 दशाः केतु अपहारः चन्द्र

बन्धुजनों की प्रीति, धन लाभ, उच्च पदवी, उन्नति आदि फल।

24/02/2024 . . . . 20/07/2024 दशाः केतु अपहारः मंगल

शत्रुओं से उपद्रव, बन्धु विरोध, पुत्र नाश, धन हानि, अग्नि भय या बिजली से होनेवाले दृर्घटना, चोरों का भय आदि दोष फल।

21/07/2024 . . . . 08/08/2025 दशाः केतु अपहारः राहु

पति - पत्नी लाभ, या विवाह, भूमि लाभ, अपने ही बन्धुओं का विरोध कफवात रोग आदि फल।

09/08/2025 . . . . 14/07/2026 दशाः केतु अपहारः गुरु

शत्रु पीडा, नेत्र रोग, विष भय, अग्नि भय, यात्रा आदि दोष फल, पति - पत्नी सुख, पुत्र लाभ, धर्म काम, सरकारी नौकरी में संतुष्टि आदि गुण फल प्राप्त होंगे।

15/07/2026 . . . . 23/08/2027 दशाः केतु अपहारः शनि

कई प्रकार के उपद्रव, दाम्पत्य सुख हानि, मन क्लेश, धन और कृषि में क्षय, संतान क्लेश आदि फल।

24/08/2027 . . . . 20/08/2028 दशाः केतु अपहारः बुध

स्थान नष्ट होना, मानसीक दुःख, बीमारी, सरकार से क्लेश, पति - पत्नी विरह, कृषि नाश, धन नाश, काम से संबन्धित तकलिफें, गरमी से संबन्धित बीमारियाँ आदि फल होंगे।

. . . . . .

दशाः शुक्र 21/08/2028 . . . . 20/08/2048

शुक् दशा में क्रीडा सुख केलिए सब कुछ प्राप्त होने अच्छे गाडी मिलने, पशुओं रत्नों आभूषणों तथा निधि प्राप्त होने स्त्रियों या पुरुषों से लेकर खुशी प्राप्त होना विवाह कर्म को करना तथा राजा सम्मान प्राप्त होता है।

21/08/2028 . . . . 20/12/2031 दशाः शुक्र अपहारः शुक्र

सौभाग्य, कांति, सम्मान, शौक्षिक सफलता विद्या आदि गुण, लेकिन गुरु के स्वयं अंतरदशा उतना गुणदायक नहीं।

21/12/2031 . . . . 20/12/2032 दशाः शुक्र अपहारः रवि

बुरे लोगों से संबन्ध, शराब या अन्य स्त्री या पुरुष के गमन केलिए इच्छा, नौकरी में मन्दता, धन नष्ट, यात्रा आदि फल।

21/12/2032 . . . . 20/08/2034 दशाः शुक्र अपहारः चन्द्र

स्त्रियों के कारण या बुरे मित्रों के द्वारा कोई दुःख या बदनामी होगी। शिक्षा से संबन्धित या व्यापार से संबन्धित धन लाभ होगा।

21/08/2034 . . . . 20/10/2035 दशाः शुक्र अपहारः मंगल

स्वास्थय कम, बीमारी, परिवार में अस्वस्थता, लोगों के विरोध, बन्धुजनों का अलग होना (कभी-कभी अलग होना मौत भी) आदि फल। धन लाभ, तीर्थ मन्दिरों का दर्शन, तीर्थाटन आदि शुभ गुण प्राप्त होंगे।

21/10/2035 . . . . 20/10/2038 दशाः शुक्र अपहारः राहु

द्रव्य लाभ, पत्नी और संतानों को सुख, घर की आवश्यक चीजों को खरीदना आदि फल।

21/10/2038 . . . . 20/06/2041 दशाः शुक्र अपहारः गुरु

आदित्या अंतरदशा में सबसे शोभित होगा। यशा या राज सम्मान, सुख समृद्धि, अधिकार उपलब्धि, काम की उपलब्धि या उसमें बढावा, गाडी से लाभ, लोगों की इच्छा के पात्र बनना आदि फल।

21/06/2041 . . . . 20/08/2044 दशाः शुक्र अपहारः शनि

सूर्य अंतरदशा में भी की तरह चन्द्र के शोभित फल भी बराबर प्रदान करेगा।

21/08/2044 . . . . 20/06/2047 दशाः शुक्र अपहारः बुध

बन्धुजनों की खुशी, शत्रु से प्राप्त धन लाभ (व्यापार आरोपियों में से अदालत की खर्च आदि से प्राप्ति इस में आएगी) यश, प्रभाव, लोगों की प्रीति, भूमि लाभ, नौकरी में उच्च पदवी आदि गुण फल, यात्रा, नेत्र रोग, कर्म में बाधा आदि दोष फल प्राप्त होगा।

21/06/2047 . . . . 20/08/2048 दशाः शुक्र अपहारः केतु

शरीर पीडा, मन दुःख, पिता आदि गुरुजनों का नाश या मृत्यु, घन नाश, व्यापार आदि फल।

. . . . . .

दशाः रवि 21/08/2048 . . . . 20/08/2054

आदित्य दशा में कलह, अप्रतीक्षित राज क्रोध, स्वजनों को बीमारी, भ्रम, आपसी, विद्वेष, बिना सहनेवाले क्रोध शात रखना पड़ना, धनधान्य को नाश, पत्नी, पुत्र व पुत्री को पीड़ा तथा अग्नि पीड़ा आदि होगा। क्रूरता से, मार्ग यात्रा को लेकर तथा राजा को लेकर वन प्राँतों में यात्रा, तीक्षणता आदि फल।

21/08/2048 . . . . 08/12/2048 दशाः रवि अपहारः रवि

धन लाभ, विदेशों में या वन प्रांतों में यात्रा या रहना, मनोदुःख आदि फल।

09/12/2048 . . . . 08/06/2049 दशाः रवि अपहारः चन्द्र

धन लाभ, सज्जन संबन्ध आदि फल।

09/06/2049 . . . . 14/10/2049 दशाः रवि अपहारः मंगल

धन लाभ, राज प्रीति (नौकरी में स्थिरता) यात्रा आदि फल।

15/10/2049 . . . . 08/09/2050 दशाः रवि अपहारः राहु

अवांछित मरण भय, कठिन सिरदर्द, स्थान चलन, शत्रु भय आदि फल।

09/09/2050 . . . . 26/06/2051 दशाः रवि अपहारः गुरु

सभी जगह सम्मान, घन लाभ, संतुष्टि, सज्जनों से संबन्ध आदि फल।

27/06/2051 . . . . 08/06/2052 दशाः रवि अपहारः शनि

कामों में आलस, सहकारियों के विरोध, काम में फल प्राप्ति न मिलना आदि फल।

09/06/2052 . . . . 14/04/2053 दशाः रवि अपहारः बुध

दुःख, किसी भी काम में मन न लगना, धन नाश, थोडा सुख आदि फल।

15/04/2053 . . . . 20/08/2053 दशाः रवि अपहारः केतु

नेत्र रोग, मनोव्यथा, निराशा आदि फल।

21/08/2053 . . . . 20/08/2054 दशाः रवि अपहारः शुक्र

धन लाभ, कुत्सित स्त्रियों या पुरुषों से संबन्ध, काम से संबन्धित उन्नति आदि फल।

. . . . . .

दशाः चन्द्र 21/08/2054 . . . . 20/08/2064

चन्द्र दशा में मन को सुख, सभी कामों में फल प्राप्ती, सुख सभी कामों में फल प्राप्ती सुख भोजन, पत्नी- पुत्र, अभूषण. वस्त्र, रत्नों प्राप्त होने तथा पशुएँ भूमि, गुरु पूजा भी प्राप्त होगी।

21/08/2054 . . . . 20/06/2055 दशाः चन्द्र अपहारः चन्द्र

माँ, पति - पत्नी, संतान आदि से प्राप्त सौभाग्य और सुख मिलेगा।

21/06/2055 . . . . 20/01/2056 दशाः चन्द्र अपहारः मंगल

कई प्रकार के दुख होंगे। शरीर सुख नष्ट होगा। बदनामी भी होगी।

21/01/2056 . . . . 20/07/2057 दशाः चन्द्र अपहारः राहु

स्वास्यय ठीक न होना, क्लेश, धन व्यय, मनोव्यथा, बिजली, हवा आदि से होनेवाली विपत्ति रोगपीडा, बन्धुओं के नाश आदि होने की संभावना है।

21/07/2057 . . . . 20/11/2058 दशाः चन्द्र अपहारः गुरु

यह सबसे सौभाग्य का समय होगा। सभी कामों में वैभव तथा उन्नति प्राप्त होगी।

21/11/2058 . . . . 20/06/2060 दशाः चन्द्र अपहारः शनि

कई प्रकार की तकलीफें होगी। पति - पत्नी या माँ को मृत्यु समान कष्ट भी होने की संभावना है।

21/06/2060 . . . . 20/11/2061 दशाः चन्द्र अपहारः बुध

सबसे सौभाग्यवाला समय होगा, विद्या गुण, धन लाभ, ऐश्वर्य, पति - पत्नी को सुख आदि गुण अनुभव प्राप्त होगा।

21/11/2061 . . . . 20/06/2062 दशाः चन्द्र अपहारः केतु

स्वास्थय ठीक न रहना, धन हानि, बीमारी, मन क्लेश आदि कई प्रकार के कष्ट अनुभव इस समय होंगे।

21/06/2062 . . . . 20/02/2064 दशाः चन्द्र अपहारः शुक्र

शुक्र अंतरदश समय खुशहाल होगा। किसी भी प्रकार का मन क्लेश होने की संभावना नहीं होगी। धन अधिक बढना, भाग्य, पति - पत्नी में सुख, काम में उन्नति आदि की इस समय प्रतिक्षा कर सकते हैं।

21/02/2064 . . . . 20/08/2064 दशाः चन्द्र अपहारः रवि

आदित्य अंतरदशा समय शुभदायक होगा। राजप्रीति, सुख, शत्रुनाश, काम में विजय, औनित्य आदि गुण फल इस समय में होंगे।

. . . . . .

दशाः मंगल 21/08/2064 . . . . 20/08/2071

मंगल की दशा नें अग्नि संबन्ध कामों को लेकर, औषिधी को लेकर चोरी धोखेबाजी आदी कुमर्मों को लेकर धन प्राप्त होना, खून, पित, ज्वर आदि बीमारी होने तथा दुष्ट स्त्री या पुरुषों से संबन्ध, बन्धुओं के विरोध, खजनों के विरोध, पैत्न-पुत्र विरोध, गुरु दोष आदि होने तथा दूसरों के भाग्य को देखकर जन्म सहन करना आदि फल।

21/08/2064 . . . . 17/01/2065 दशाः मंगल अपहारः मंगल

सभी कामों में बाधा, गर्मी से संबन्धित बीमारी, भाई तथा रिश्तेदारों से विरोध आदि फल।

18/01/2065 . . . . 05/02/2066 दशाः मंगल अपहारः राहु

यह कई प्रकार के क्लेशों से भरा समय होगा।

06/02/2066 . . . . 11/01/2067 दशाः मंगल अपहारः गुरु

यह खुशहाल समय होगा, धन लाभ, भूमि लाभ, सुख, विद्या विजय, सभी कामों में विजय आदि फल प्राप्त होगा।

12/01/2067 . . . . 20/02/2068 दशाः मंगल अपहारः शनि

शत्रुभय, चोरों का भय, बीमारी, काम या नौकरी से संबन्धित अपमान, कृषि नाश, अपने देश से अलग रहना, यात्रा आदि फल होगा।

21/02/2068 . . . . 17/02/2069 दशाः मंगल अपहारः बुध

धन लाभ, भवन लाभ, भवन का नुतनीकरण/नवीकरण आदि गुण फल, शत्रु पीडा, मन दुःख आदि दोष फल ही फल होगा।

18/02/2069 . . . . 14/07/2069 दशाः मंगल अपहारः केतु

उदर संबन्धित बीमारियाँ आदि कई प्रकार के क्लेश।

15/07/2069 . . . . 14/09/2070 दशाः मंगल अपहारः शुक्र

पति - पत्न्नी सुख, धन लाभ, कहीं पर भी विजय, काम से संबन्धित उन्नति आदि होगा।

15/09/2070 . . . . 20/01/2071 दशाः मंगल अपहारः रवि

कलह, रोग, अपने लोगों से शत्रुता आदि दोष फल तथा धनधान्य समृद्धि, नौकरी, उत्कर्ष प्रताप आदि अच्छे फल होंगे।

21/01/2071 . . . . 20/08/2071 दशाः मंगल अपहारः चन्द्र

कई प्रङ्ग ार में धन लाभ,विवाह या संतान लाभ, काम में उन्नती आदि अच्छे फल प्राप्त होंगे।

. . . . . .

दशाः राहु 21/08/2071 . . . . 20/08/2089

राहु दशा में राजा और चोरों से विष, अग्नि, शास्त्र आदि से भय होना पुत्र दुःख होने की संभावना मन को भ्रम बन्धुनाश तथा दृष्टों से अपमान बडे अपमान, पद से हटाना, वाणी दोष तथा पैर का नष्ट होना तथा सभी कामों में रुकावटों होगी।

21/08/2071 . . . . 02/05/2074 दशाः राहु अपहारः राहु

सहचारी को कलेश, धन नाश, उत्साह में कमी, दूर देश में यात्रा आदि फल।

03/05/2074 . . . . 26/09/2076 दशाः राहु अपहारः गुरु

स्वास्यय, शत्रु नाश, सज्जन संबन्ध, उनके प्रीति, धन लाभ, पुत्र लाभ, विवाह, ऐश्वर्य, विजय आदि गुण फल।

27/09/2076 . . . . 02/08/2079 दशाः राहु अपहारः शनि

शरीर हानि, दूर देश में रहना, रिश्तेदारों को हानि, पति - पत्नी में झगडा, पित्त रोग आदि कष्टप्रद फल।

03/08/2079 . . . . 20/02/2082 दशाः राहु अपहारः बुध

बन्धुजनों की प्रीति, धन लाभ, उच्च पदवी, उन्नति आदि फल।

21/02/2082 . . . . 08/03/2083 दशाः राहु अपहारः केतु

शत्रुओं से उपद्रव, बन्धु विरोध, पुत्र नाश, धन हानि, अग्नि भय या बिजली से होनेवाले दृर्घटना, चोरों का भय आदि दोष फल।

09/03/2083 . . . . 08/03/2086 दशाः राहु अपहारः शुक्र

पति - पत्नी लाभ, या विवाह, भूमि लाभ, अपने ही बन्धुओं का विरोध कफवात रोग आदि फल।

09/03/2086 . . . . 02/02/2087 दशाः राहु अपहारः रवि

शत्रु पीडा, नेत्र रोग, विष भय, अग्नि भय, यात्रा आदि दोष फल, पति - पत्नी सुख, पुत्र लाभ, धर्म काम, सरकारी

नौकरी में संतुष्टि आदि गुण फल प्राप्त होंगे।

03/02/2087 . . . . 02/08/2088 दशाः राहु अपहारः चन्द्र

कई प्रकार के उपद्रव, दाम्पत्य सुख हानि, मन क्लेश, धन और कृषि में क्षय, संतान क्लेश आदि फल।

03/08/2088 . . . . 20/08/2089 दशाः राहु अपहारः मंगल

स्थान नष्ट होना, मानसीक दुःख, बीमारी, सरकार से क्लेश, पति - पत्नी विरह, कृषि नाश, धन नाश, काम से संबन्धित तकलिफें, गरमी से संबन्धित बीमारियाँ आदि फल होंगे।

. . . . . .

दशाः गुरु 21/08/2089 . . . . 20/08/2105

गुरु दशा में धर्मकाम करने तथा संतान सिद्धी होने, राज पूजा प्राप्त होने तथा महाजनों की कृपा पात्र बनने, उत्तम गाड़ियाँ प्राप्त होने. पत्नी -पुत्रों आदि बन्धुओं से मिलते जुलते रहना तथा सोचनेवाले सभी बातें सफल होना यह फल।

21/08/2089 . . . . 08/10/2091 दशाः गुरु अपहारः गुरु

सौभाग्य, कांति, सम्मान, शौक्षिक सफलता विद्या आदि गुण, लेकिन गुरु के स्वयं अंतरदशा उतना गुणदायक नहीं।

09/10/2091 . . . . 20/04/2094 दशाः गुरु अपहारः शनि

बुरे लोगों से संबन्ध, शराब या अन्य स्त्री या पुरुष के गमन केलिए इच्छा, नौकरी में मन्दता, धन नष्ट, यात्रा आदि फल।

21/04/2094 . . . . 26/07/2096 दशाः गुरु अपहारः बुध

स्त्रियों के कारण या बुरे मित्रों के द्वारा कोई दुःख या बदनामी होगी। शिक्षा से संबन्धित या व्यापार से संबन्धित धन लाभ होगा।

27/07/2096 . . . . 02/07/2097 दशाः गुरु अपहारः केतु

स्वास्थय कम, बीमारी, परिवार में अस्वस्थता, लोगों के विरोध, बन्धुजनों का अलग होना (कभी-कभी अलग होना मौत भी) आदि फल। धन लाभ, तीर्थ मन्दिरों का दर्शन, तीर्थाटन आदि शुभ गुण प्राप्त होंगे।

03/07/2097 . . . . 02/03/2100 दशाः गुरु अपहारः शुक्र
द्रव्य लाभ, पत्नी और संतानों को सुख, घर की आवश्यक चीजों को खरीदना आदि फल।
03/03/2100 . . . . 20/12/2100 दशाः गुरु अपहारः रवि
आदित्या अंतरदशा में सबसे शोभित होगा। यशा या राज सम्मान, सुख समृद्धि, अधिकार उपलब्धि, काम की उपलब्धि या उसमें बढावा, गाडी से लाभ, लोगों की इच्छा के पात्र बनना आदि फल।
21/12/2100 . . . . 20/04/2102 दशाः गुरु अपहारः चन्द्र
सूर्य अंतरदशा में भी की तरह चन्द्र के शोभित फल भी बराबर प्रदान करेगा।
21/04/2102 . . . . 26/03/2103 दशाः गुरु अपहारः मंगल
बन्धुजनों की खुशी, शत्रु से प्राप्त धन लाभ (व्यापार आरोपियों में से अदालत की खर्च आदि से प्राप्ति इस में आएगी) यश, प्रभाव, लोगों की प्रीति, भूमि लाभ, नौकरी में उच्च पदवी आदि गुण फल, यात्रा, नेत्र रोग, कर्म में बाधा आदि दोष फल प्राप्त होगा।
27/03/2103 . . . . 20/08/2105 दशाः गुरु अपहारः राहु
शरीर पीडा, मन दुःख, पिता आदि गुरुजनों का नाश या मृत्यु, घन नाश, व्यापार आदि फल।
. . . . . .

ज्येष्ठा.....

22/02/2006, 1181 कुंभ 10.

18/04/2006, 1181 मेष 5.
11/06/2006, 1181 वृषभ 28.
05/08/2006, 1181 कर्क 20.
29/09/2006, 1182 कन्या 13.
22/11/2006, 1182 वृचिक 6.
16/01/2007, 1182 मकर 2.
12/03/2007, 1182 कुंभ 28.

05/05/2007, 1182 मेष 22.
29/06/2007, 1182 मिथुन 14.
23/08/2007, 1183 सिंह 7.
16/10/2007, 1183 कन्या 30.
13/11/2007, 1183 तुला 27.
06/01/2008, 1183 धनु 22.
01/03/2008, 1183 कुंभ 18.

24/04/2008, 1183 मेष 11.
18/06/2008, 1183 मिथुन 4.
11/08/2008, 1183 कर्क 27.

22/03/2006, 1181 मीनम 8.
15/05/2006, 1181 वृषभ 1.
09/07/2006, 1181 मिथुन 25.
02/09/2006, 1182 सिंह 17.
26/10/2006, 1182 तुला 9.
20/12/2006, 1182 धनु 5.
12/02/2007, 1182 मकर 29.

08/04/2007, 1182 मीनम 25.
02/06/2007, 1182 वृषभ 19.
26/07/2007, 1182 कर्क 10.
19/09/2007, 1183 कन्या 3.
12/11/2007, 1183 तुला 26.
10/12/2007, 1183 वृचिक 24.
02/02/2008, 1183 मकर 19.

28/03/2008, 1183 मीनम 15.
22/05/2008, 1183 वृषभ 8.
15/07/2008, 1183 मिथुन 31.
08/09/2008, 1184 सिंह 23.

05/10/2008, 1184 कन्या 19.
29/11/2008, 1184 वृचिक 14.
22/01/2009, 1184 मकर 9.

18/03/2009, 1184 मीनम 4.
11/05/2009, 1184 मेष 28.
08/06/2009, 1184 वृषभ 25.
01/08/2009, 1184 कर्क 16.
29/08/2009, 1185 सिंह 13.
22/10/2009, 1185 तुला 6.
16/12/2009, 1185 धनु 1.
08/02/2010, 1185 मकर 26.

04/04/2010, 1185 मीनम 21.
29/05/2010, 1185 वृषभ 15.
22/07/2010, 1185 कर्क 6.
15/09/2010, 1186 सिंह 30.
09/11/2010, 1186 तुला 23.
02/01/2011, 1186 धनु 18.
26/02/2011, 1186 कुंभ 14.

01/11/2008, 1184 तुला 16.
26/12/2008, 1184 धनु 11.
18/02/2009, 1184 कुंभ 6.

14/04/2009, 1184 मेष 1.
12/05/2009, 1184 मेष 29.
05/07/2009, 1184 मिथुन 21.
28/08/2009, 1185 सिंह 12.
25/09/2009, 1185 कन्या 9.
19/11/2009, 1185 वृचिक 4.
12/01/2010, 1185 धनु 28.
08/03/2010, 1185 कुंभ 24.

01/05/2010, 1185 मेष 18.
25/06/2010, 1185 मिथुन 11.
19/08/2010, 1186 सिंह 3.
12/10/2010, 1186 कन्या 26.
06/12/2010, 1186 वृचिक 20.
30/01/2011, 1186 मकर 16.